वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम. ए. उतरार्द्ध परीक्षा

एमएआरजे . 05

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

अवधि 3 **घंटे** **अधिकतम अंक** 80

निर्देश: औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्यौडौ है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल हियौडा हैं।

खंड- ब

नोट: नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई चार प्रश्न करणा है। सबद सीमा 100 सूं 150 सबद है। हरैक प्रश्न 8 अंक रौ है। $8 \times 4 = 32$

प्रश्न 1 राजस्थानी साहित्य रै जूरैकाल रा कवि पद्पनाभ् रै व्यंितव बाबत अेक सांतरी ठीप मांडौ।

प्रश्न 2 विस्नोई सम्प्रदाय रा संस्थापक जांभोजी सूं जु ि डयौड़ीाणकारी देऔ।

प्रश्न 3 जैन कवि हेमरतन रौ व्यंितव-कृतित्व उजागर करौ।

प्रश्न 4 कृष्ण भगती काव्य 'नागदमण' माथै सांतरी जाणकारी पेस करौ।

प्रश्न 5 राव रणमल्ल कुण हा ? उणारै जीवन चरित्र री जाणकारी लिखौ।

प्रश्न 6 कवि कुशललाभ री रचना 'माधवानल कामकन्दला चैपाइ' रौ सामान्य परिचै देऔ।

प्रश्न 7 आसानंद बारहठ री रचना 'बाघजी रा दूहा' बाबत जाणकारी।

प्रश्न 8 'बीसलदेव रासौ' रौ कथासार मांडौ।

प्रश्न 9 राजस्थानी साहित्य रै प्राचीनकाल रा कवि श्रीधर व्यास रौ परिचै देऔ।

प्रश्न 10 'ईसरा सो परमेसरा' रै नांव सूं चावा कवि ईसरदास री जीवनी संक्षेप में मांडौ।

प्रश्न 11 प्रेमाख्यान 'जेठवा-ऊजळी रा सोरठा' माथै परिचयात्मक टीप मांडौ।

प्रश्न 12 असाइत रचित 'हंसाउली' माथै जाणकारी देवौ।

प्रश्न 13 ईसरदास री रचना 'हरिरस' माथै जाणकारी देऔ।

प्रश्न 14 'पिगंलशिरोमणी' ग्रंथ री विसयवस्तु उजागर करौ।

प्रश्न 15 नरहरिदास बारहठ री रचना 'अवतार चरित्र' माथै सांतरी टीप लिखौ।

प्रश्न 16 **'ढोला-मारू रा दूहा' में वरणित संजोग सिंणगार माथै सांतरी टीप लिखौ।**

प्रश्न 17 **विस्नोई सम्प्रदाय रा थरपणहार जांभोजी माथै जाणकारी देवण वाली टीप लिखौ।**

प्रश्न 18 **कवि दूरसा आढ़ा माथै सांतरी जाणकारी देऔ।**

प्रश्न 19 **'भरतेश्वर' बाहु बलि घोर' रचना बाबत जाणकारी मांडौ।**

प्रश्न 20 **डिंगळरै चावै लक्षणग्रंथ रघुनाथ रूपक गीतां रौ' बाबत जाणकारी देऔ।**

प्रश्न 21 **राव रणमल्ल रौ जीवनवृत उजागर करौ।**

प्रश्न 22 **कवेसर कुशललाभ रै लक्षणग्रंथ 'पिंगलशिरोमणी' माथै संक्षिप्त टीप करौ।**

प्रश्न 23 **'अवतार चरित्र' रचना रौ परिचै मांडौ।**

प्रश्न 24 **पृथ्वीराज राठौड़ री रचना 'गंगास्तुति माथै आपरी जाणकारी उजागर करौ।'**